16/3/26

पत्रा० पेश हुए। उभयपक्ष अधिवक्ता की बहस सुनी गई। मूल वाद में P.D. जारी करने बाबत सहमति प्रदान की जा चुकी है। वकु० द्वारा उभयपक्षकारान को मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक पाबंद करने का निवेदन किया गया। हमने बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया, जिससे स्पष्ट है कि दावा 53 का है। एवं P.D. जारी बाबत सहमति भी प्रदान की जा चुकी है। ऐसे में मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक उभयपक्षकारान को मौका व राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति यथावत रखने बाबत पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः पाबंद किया जाता है। एवं पत्रा० कैसल शुमार होकर नम्बर से कम किया जाकर दाखिल दफ्तर हो। एवं मूल वाद के साथ संलग्न किया जावे।